मध्यकालीन काव्य

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग
भोपाल
द्वारा प्रायोजित

मध्यकालीन काव्य

बी. ए. द्वितीय वर्ष हिन्दी साहित्य

सम्पादक

डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा

डॉ. गंगाप्रसाद बरसैंया

डॉ. गंगानारायण त्रिपाठी

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुवान आयोग, भोपाल

द्वारा प्रायोजित

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

मध्यकालीन काव्य

© मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग, भोपाल

प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,
रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल

प्रथम संस्करण : 1987
मूल्य : तीन रुपये पचास पैसे
मुद्रक : राजकमल प्रिन्टर्स भोपाल

प्रस्तावना

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के नये शिखरों का स्पर्श करने के लिए मध्यप्रदेश में योजनाबद्ध प्रयास किया जा रहा है। इस प्रयत्न में मध्यप्रदेश शासन, मध्यप्रदेश की विश्वविद्यालयीन व्यवस्था और मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग समान रूप से सहयोगी हैं।

शिक्षा के स्तर को ऊँचा उठाने की दृष्टि से स्नातक स्तर की परीक्षाओं के लिए चौबीस विषयों के पाठ्यक्रमों का आधुनिकीकरण और मानकीकरण किया गया है। इस प्रयोग में हमारा मुख्य उद्देश्य यह रहा है कि इन विषयों का अध्यापन जीवन के बदलते संदर्भों और आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला जा सके। हमारा प्रयत्न रहा है कि विद्यार्थी विशिष्ट अनुशासनों की परम्परा से परिचित होने के अतिरिक्त उनके ज्ञान को सम-सामयिक समाज के व्यापक प्रश्नों से जोड़ें। अध्यापन और मूल्यांकन के क्षेत्रों में अनेक परिवर्तन प्रस्तावित हैं। जिनका उद्देश्य है—विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा का विकास, मौलिक चिन्तन को प्रोत्साहन और विषयगत समस्याओं को हल करने की क्षमताओं को तीक्ष्ण बनाना।

हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम का पुनर्गठन करते समय हमारा प्रयत्न रहा है कि विद्यार्थी साहित्य के शास्त्रीय पक्षों से परिचित हों और उन्हें हिन्दी साहित्य की परम्परा का पर्याप्त ज्ञान हो। हिन्दी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियों पर उनका ध्यान केन्द्रित करने का प्रयत्न विशेष रूप से किया गया है। हमारी अपेक्षा है कि अध्ययन और अध्यापन की प्रक्रिया में विद्यार्थी साहित्य रसिक बनेंगे और कुछ क्षेत्रों में उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित होगी। आशा है कि हमारे संकलन और संचयन इन उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होंगे।

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा, डॉ. गंगाप्रसाद गुप्त बरसैंया और डॉ. गंगानारायण त्रिपाठी का कृतज्ञ है कि उन्होंने अपना रचनात्मक सहयोग इस पुस्तक को तैयार करने में दिया।

श्यामाचरण दुबे
अध्यक्ष
मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग

दिनांक—
23 मई 1987

रचना-क्रम

1. **कबीर** 1
   - गुरु वन्दना
   - विरह
   - हरि-रस
   - चेतावनी
   - माया
   - आडम्बर विरोध
   - पद

2. **सूरदास** 6
   - गोचारण
   - गोदोहन
   - राधा-कृष्ण प्रथम मिलन
   - गोवर्धन-पूजा
   - मुरली
   - भ्रमरगीत

3. **तुलसीदास** 14
   - कवितावली
   - चित्रकूट-सभा
   - गीतावली
   - विनय पत्रिका
   - दोहावली

4. **जायसी** 22
   - मान सरोदक-खंड
   - पद्मावती-नागमती-सती-खंड
   - उपसंहार

5. **बिहारी** 27
   - अंगशोभा
   - प्रेम संदर्भ
   - ऋतु और प्रकृति
   - नीति कथन

6. **घन आनन्द** 30
   - रूप
   - आसक्ति
   - विरह
   - प्रेम-महिमा

7. **पद्माकर** 34
   - शृंगार
   - ऋतु और प्रकृति
   - गंगालहरी